

जरा सोच समझ अभिमानी चदरिया पुरानी हो गयी लिरिक्स



जरा सोच समझ अभिमानी,
चदरिया पुरानी हो गयी,
क्यों विशियन में लपटानी,
चदरिया पुरानी हो गयी।bd।

काशी पूजे मथुरा पूजे,
[मात पिता](#) को कोई न पूजे,
है जिनकी खरी ये निशानी,
चदरिया पुरानी हो गयी,
क्यों विशियन में लपटानी,
चदरिया पुरानी हो गयी।bd।

मात पिता की बात न बुझे,
जोरू कहे जो सच पतियाये,
है कलयुग की सही ये निशानी,
चदरिया पुरानी हो गयी,
क्यों विशियन में लपटानी,
चदरिया पुरानी हो गयी।bd।

हिन्दू हो के बकड़ा काटे,
आप ही काटे आप ही खाये,
और दोष दिए महरानी,
चदरिया पुरानी हो गयी,
क्यों विशियन में लपटानी,
चदरिया पुरानी हो गयी।bd।

जरा सोच समझ अभिमानी,
चदरिया पुरानी हो गयी,
क्यों विशियन में लपटानी,
चदरिया पुरानी हो गयी।bd।

Singer – Rupesh kumar
Lyrics – Fanibhushan choudhary

7004825278

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>